भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 25/02/2025 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 25 फरवरी, 2025 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 25 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सर्वप्रथम खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी डॉ. योगेश जी. काले ने हिंदी कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए प्रतिभागियों को कार्यशाला के समस्त सत्रों की संक्षिप्त जानकारियां दीं।

हिंदी कार्यशाला के प्रथम सत्र में आयकर विभाग, नागपुर के श्री अनिल त्रिपाठी, उप निदेशक (राजभाषा) ने "राजभाषा कार्यान्वयन में हमारी भूमिका एवं कार्यालयीन पत्राचार के विभिन्न प्रकार" विषय पर अपना व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने सरकारी कार्यालय में जारी किए जाने वाले पत्र,परिपत्र, आदेश इत्यादि के बारे में बताया।

हिंदी कार्यशाला के द्वितीय सत्र में भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर के श्री किशोर डी. पारधी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने "राजभाषा नीति" विषय पर अपना व्याख्यान दिया उन्होंने राजभाषा से जुड़े सभी नियमों को काफी सहजता से समझाते हुए उसके महत्व को समझाया तथा कार्यालय में किस तरह अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करें उसके बारे में सभी को जानकारी देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया ।

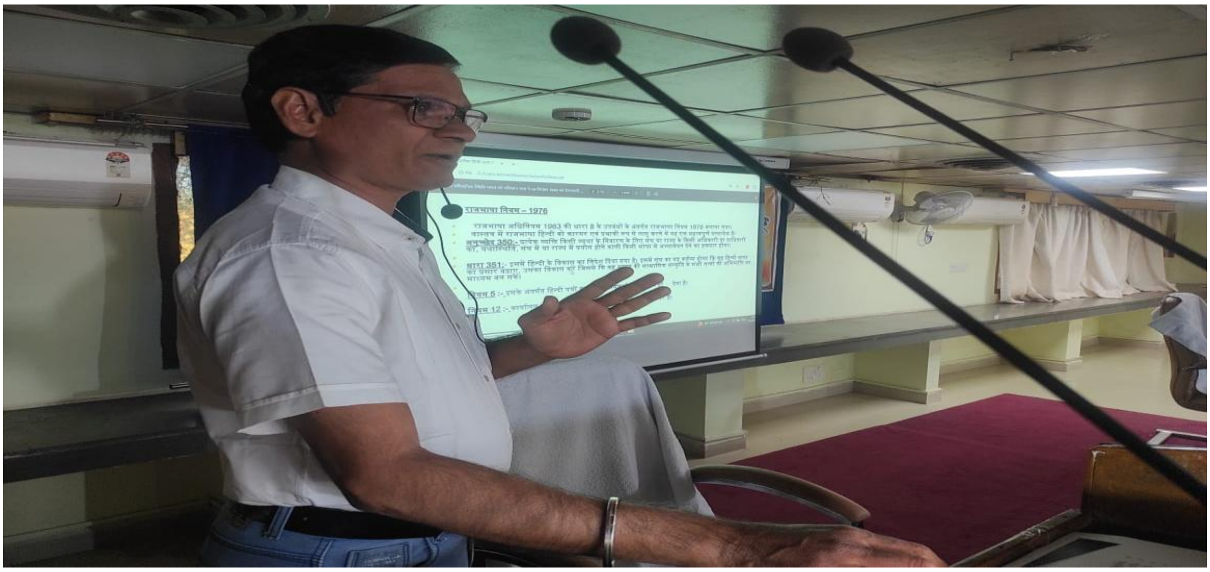

हिंदी कार्यशाला के अंतिम चरण में भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर के श्री असीम कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने "हिन्दी तिमाही रिपोर्ट (भाग-1 एवं भाग-2)" के विषय पर अपना व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने हिन्दी तिमाही रिपोर्ट को भरने में आने वाली समस्याओं एवं कठिनाइयों के बारे में बताते हुए रिपोर्ट में आंकड़े व जानकारी किस तरह भरनी चाहिए इसकी विस्तृत जानकारी दी तथा प्रतिभागियों की कठिनाइयाँ का निराकरण किया ।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने व्याख्यानों का लाभ लेते हुए इसे काफी ज्ञानवर्धक व सार्थ बताते हुए इसकी प्रशंसा की ।

अंत में श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक द्वारा अपना समस्त कार्यालयीन कार्य हिंदी भाषा के माध्यम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता को वर्णित किया तथा सभी नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निष्ठा पूर्वक इस कार्यक्रम में उपस्थित होने तथा इसे सफल बनाने पर उन्हें धन्यवाद दिया। इस धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही हिंदी कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।